

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुऱ्ये.

—१०८५४ (२४९) —
इस्त लिखित ग्रन्थ संग्रहः—

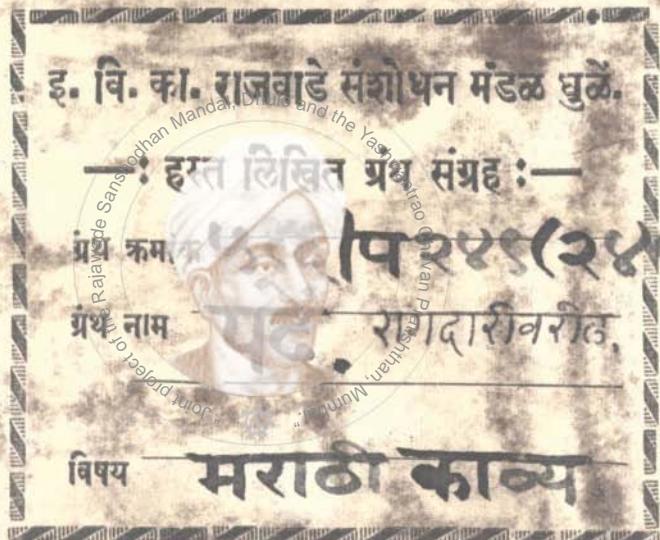
ग्रन्थ कमा

ग्रन्थ नाम

प२४९(२४९)

रागदारीवरीत,

विषय मराठी काव्य



॥ आच्युते काळवा थ मसि राजनी ॥
 ॥ हना ची आध मित्र लीका की तणि ॥
 ॥ उनो पे कुचला उपेंद्र राणजो उतो ॥
 ॥ भल्लू दुरीहार मृणता त्रीवानवा ॥
 ॥ चैसव होषहारी यत्तागो कुळी कु ॥
 ॥ अना शर्वल ॥
 ॥ हृदयी चिंतवार उ ॥ ना रोकत्रिंश्चकनगरमनो
 ॥ अहरपावन गंगानीर ॥ पञ्चवटीमध्येपर्णकुटीकरी
 ॥ सेउनीराहेनीर ॥ मधुरस धारना महीचनल
 ॥ गेसाकरखीर ॥ ३॥ लोकिकल्पत्रासाउनिअवधी
 ॥ पांधरेभगवेचीर ॥ ४॥ मधुनेष्वरसणतोसखया
 ॥ चित्करावेस्त्रीर ॥ ५॥ हृद ॥ १७८८ ॥ ४। १११ ॥ द्रातुः ॥
 ॥ संगल्डाचरण जारमः ॥ पह ॥

॥ हेपायाचीजोड़ मोरयदिपायाचिनोड़ ॥ ६॥ नानादुःखेसोहनितारी ॥
 ॥ विषयवासनासोड़ ॥ मोर ॥ ७॥ जुजविणेकवणाशरणमिजाङ ॥ नामहुसे
 ॥ बहुगोड़ ॥ मोर ॥ ८॥ धरणिधरागवेजाणुनी ॥ काढिछेचीजोड़ ॥ मोर ॥
 ॥ पह ॥
 ॥ गणराजगजाननगावहेगणराज ॥ ९॥ शिंदुरचवित्तिशुउविराजित ॥
 ॥ मोहकहल्लीभावहो ॥ गण ॥ १॥ विज्ञविनशक बुद्धिजकारिक ॥ तोव

॥ रदायकध्यावा ॥ गण ० ॥ २ ॥ अनंदात्मजि चित्तसेतुज ॥ हास्मव सिधुनरा ॥
 ॥ बाहो ॥ गणरा ० ॥ ३ ॥ ॥ श्रीजगह बेने पदा ॥ ॥ ४ ॥ उगदिमाया निवृत्तिला ॥
 ॥ नक्कारे ॥ प्रणवस्तुपि गिवेक्काकापाहाडोकारे ॥ ५ ॥ जिचेस्वरूप साजिरे ॥
 ॥ परिष्वर्ण ॥ हष्टिहोइल्लितरालिंबलोण ॥ आदिमा ० ॥ ६ ॥ जीच्याइत पंक्ति ॥
 ॥ चास्तक केरंग ॥ तिकडेपाषाण होता तीपसराग ० ॥ उगदि ० ॥ ७ ॥ हयाघाठ ॥
 ॥ त्व्याहालिस निजमाये ॥ भक्तिकंकण मण गेडीशोकताहे ॥ आदि ० ॥ ८ ॥
 ॥ पाइविरवत्यामुखीवांक्यालीहो ॥ बोहूपैजणधाखुनिरंगावालीरे ॥
 ॥ उगदि ० ॥ ९ ॥ ब्रह्मानंह अक्षय अभेगपूर्ण ॥ श्रीधराली यनिमनपानारे ॥
 ॥ उगदि ० ॥ १० ॥ ॥ १० ॥ ॥ सोडिअताव्याकुक्कजाता प्राण ॥ ११ ॥
 ॥ फिरउनिनेत्रापसलनियामुदाम ॥ कलसास्त्रगेक्कोण ॥ सोडि ० ॥ ११ ॥ मारुआ ॥
 ॥ लीनंह मुलासि ॥ मजबार अलेंविंदान ॥ सोडि ० ॥ १२ ॥ अनंदात्मज बोहू
 ॥ केटे ॥ जैसेनेक्कक्काण ॥ सोडि ० ॥ १३ ॥ ॥ १३ ॥ हरीसीसितततभ ॥
 ॥ जावेमनुजाहरिसीसिलत अजावेरे ॥ १४ ॥ दुर्भिनहानहेह चिजाणुनिक्रो
 ॥ धाहिकवजविरहरि ० ॥ १५ ॥ हयसकक्कह पथचिजाणुनि ॥ सच्चितस्तरव
 ॥ करसमजावेरे ॥ कोणुगिक्केचाडादुनिक्काल हेचित्तसितमजावेरे ॥ हरि ० ॥ १६ ॥
 ॥ शिनहयाघन चरितगुडुनी ॥ उर्जनसंगवजावेरे ॥ हरि ० ॥ १७ ॥ ॥ १७ ॥
 ॥ दाशरथेरामायेइहोदाशरथगामा ॥ १८ ॥ सुग्रस्त्रघेसमनामरसायण ॥ दूर
 ॥ करीभवपामा दाशा ० ॥ १९ ॥ छत्स्नपण अहंकारदुरात्मा ॥ निविलाक्कस्कुमा
 ॥ मादाशा ० ॥ २० ॥ अमृतप्रभुनिर्देवियशान्चा ॥ गर्जतोनिगमदमामा ॥ दाशा ० ॥ २१ ॥
 ॥ ॥ १७ ॥ ॥ तोकेलाश्रीरामधनी ॥ नद्रवीरमुखुदमणी ॥ १८ ॥ वर्णनकरि
 ॥ ताफिरत्तामागे ॥ हशाशतवद्नफणी ॥ तोके ० ॥ १९ ॥ शुक्रसनकादिक्कमोहि
 ॥ तजाक्के ॥ ज्याच्याशुभगुणगणी ॥ तोके ० ॥ २० ॥ हयाकरनियाहीनजनासी
 ॥ लावितानिजधरणि ॥ तोके ० ॥ २१ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ बाक्कहणवरणीक्कह
 ॥ लागोरे ॥ कीर्तनरंगीरंगात्तेहवाहोरे ॥ १९ ॥ स्वरूपीमनहेलावितासौख्य
 ॥ उगहु ॥ कामकोधादिक्कनात्तिनिजधामा ॥ २० ॥ सारासारवद्वितासङ्कु
 ॥ रसाया ॥ मंगलधामजीवन नरहरिपायोरे ॥ २१ ॥ सद्गुपचिन्मवनारा

॥ यणस्तु गाऊरे ॥ तन्मयो हौठनी बलवंत भ्रेमण गाऊरे ॥ ३ ॥ वालद्वा ॥
 ॥ १५ ॥ ॥ कृष्णरत्नहानि चक्रोणी नेत्रे ॥ नेषो कोणते कर्मज्ञात्वे
 ॥ उगाल्ले ॥ रथगीरिव गंधवरिडता तीरे ॥ पशुपत्सीवनी लोकतान्त्रिदि ॥ ३ ॥
 ॥ केसे नविये थुनिगो कुकांतरे ॥ तेथेनाहि माझाकृष्ण नाथरे ॥ ३ ॥ धावे
 ॥ धावे माधवा दिरभेटीरे ॥ दासापाहे तूळपाहृष्टीरे ॥ ४ ॥ कृष्णरत्न ॥ १५ ॥
 ॥ माधवायो यतु खाहे क्राय ॥ सखयावो लक्षीरे ॥ ४ ॥ वंहिति ब्रह्मादिकत
 ॥ वपाय ॥ तेतस्तीर्तीनहे क्राय स्तुतीतु जलो हेसुरराय ॥ देव्यगाय नीझा
 ॥ लोमाधवा ॥ ११ ॥ उटआता बहुजात्वावेक ॥ बापातु इनाचिसारारवेळ ॥
 ॥ भेषेमनकस्तनिडत्तवेक ॥ नकरीहेळपैमाझी ॥ माधवा ॥ ३ ॥ देवाकरिद
 ॥ तुकाउपकार ॥ काढीचरणावर चाषावर ॥ द्वाजवाटते द्याकाफार ॥ करीभ
 ॥ वपारवेशुनिवा ॥ माधवा ॥ ३ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ मंजला नेतिल श्रीरघुराजन ॥
 ॥ ईसे करीचापा ॥ ४ ॥ परस्तनी बहुजात्वावास ॥ धारत्वकरतिल माझा
 ॥ चास ॥ चित्तिहो त्रिलकारउहास ॥ यस्तमी आलकोणाच्ची ॥ मंजला ॥ ११ ॥
 ॥ सत्यरहस्यवीमाझाकांत ॥ यापनितीत करिभाकृत ॥ जाहवाहशा
 ॥ ननाचार्यंत ॥ उत्तातरवंत चाधतरे ॥ ३ ॥ मंजला ॥ उत्ताकेलेत्ताउपका
 ॥ र ॥ आठकुक्किति सखारंवार ॥ रुपतिवरिल तुजभवपार ॥ देमंजथार
 ॥ पतिचरणी ॥ मंजला ॥ ३ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ रात्मकवतुकपाहसीकायउ
 ॥ द्वरीतुनि दारी ॥ ४ ॥ उत्तानानेघडेपाप कोषुनिसुनिनेदिधवा
 ॥ शाप ॥ सद्याहूरकरीसंतापत्तुमाय बापदीनाच ॥ रामाक ॥ ११ ॥ गुंक
 ॥ निडिलातोरधुराय धरिलगोतमवधुवरिपाय ॥ केलगासवहीदूर
 ॥ उपाय ॥ हवनिमाय मुनिलाहा ॥ रामाक ॥ ३ ॥ धावेतिजला मुरवद
 ॥ रदानराखवी मुनिवनिते चामाना ॥ धरमिद्वचनाचा उनमिमान ॥ वापा
 ॥ अनमाननकरीहो ॥ रामाक ॥ ३ ॥ करीतीस्तरवरजेजेकार ॥ मुनीज
 ॥ लिंगितिवारंवार ॥ जाहलेगजावरिवहुउपकार ॥ त्रृचिजाधारया
 ॥ दासा ॥ रामा ॥ ४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ मंजला वरिल सुभद्राकाय ॥ कोणि
 ॥ तरीसांगहो ॥ ४ ॥ अहेमनिकञ्जनाचिवहुआस ॥ केसाच्यावा
 ॥ होसंन्यास ॥ दिसतिल दाही दिशाउहास ॥ होइलत्रासशारिरला ॥

॥मजला०॥१॥ह्यनिलसंन्यासीजनपार्थी॥नाहीप्रपञ्चनापरमार्थी॥
॥यातकेसांचडेलस्वार्थीहेयथार्थसांगाहो॥मजला०॥२॥मजलाजं
॥तरतिलहेपाय॥पाहुनिधर्मह्यणेलकाय॥झोपदिकरिलहायहाय॥
॥मुकेलमायप्राणास्ती॥मजला०॥३॥ऐंकुनिबोलेमेघःशाम॥कार्य
॥विद्वकरीलबलिराम॥उक्काजनार्दनासीकाम॥करीविश्रामतवच
॥रणि॥मजला०॥४॥ ॥५॥ ॥माधवाराहेनिजस्तहनी॥सांलु
॥कितितुजलाबागाध्या॥देखेमधुपयदधिनवनित॥ऐकवितेस्त
॥स्वरगीत॥कथितेतुजबुलिलाचिरीत॥ऐसेविपरीतकर्तनको
॥माध०॥१॥ऐकह्यणतीफोडिलामाड॥ऐकह्यणतीपोरआचाड॥
॥सर्वहिसांगतिखाबोमाड॥पाहातिवाटनंहावी॥माध०॥२॥जरि
॥कोऐकेलहेतवतात॥सादिलफारचिकांहुनिहात॥नेउनिकांडि
॥लतकघरात॥मोदाघातकरतिलबा॥माध०॥३॥झालाआइचियाकुक
॥प्राण॥पातुनिबोलिछष्टासुजाण॥भातान्नीरखरविजाण॥वा
॥हातोउगाणपाद्याचि॥माध०॥४॥ ॥६॥ ॥मुड्यानोअग्नु
॥त्याछष्टालाभुउगाहरन्तोमथुरेला॥ध्या॥होरथावरिवेसति
॥यशोहानंहगोपहुती॥अकुराशीसवनिमिती॥साच्याहयान
॥येचिति॥ह्यणउनिजगुलालसाला॥अकुर०॥७॥गोपिफारचि
॥तकमकति॥करानेवह्यमाचपिदिती॥हरीलाजाउनकोह्यणती
॥अश्रुनेसवंगिमिजती॥पूरतोगेलायमुनेला॥उकुर०॥८॥ऐकु
॥निगोपसर्वहिचाले॥धारनिहरिजवकीउगाले॥मूर्धितरथाज
॥यक्षिपडिले॥हरिनेहुदीकवकीले॥देवमगफारचिगहिवर
॥ला॥अकुर०॥९॥तुजविणउगहानाहीकोणि॥ह्यणनिसर्व
॥जाउमरोणि॥परियेचिंताएकमुनि॥कोंसतुजनेइलबाधस्तणि
॥तेथेकोणिनाहिबातुजला॥उकुर०॥१०॥ ॥७॥ ॥छष्टा
॥कामजबरीतस्तता॥सखयाबोलकीरे॥ध्या॥नाहिमदिलेतव
॥पाय॥हिधत्तीनाहिदुधाचीसाय॥सर्वहिद्यमाकर्तनिअन्या

॥४॥ आतारमायपोदभरी ॥ लघ्णा०॥१॥ तुजत्वाकं पियले
 ववने ॥ उखकास दिधलानि दुर्ब्रास ॥ दिधलानाही सुखाति कव्रास
 ॥ सुणो निउहास जाहलासी ॥ लघ्णा०॥२॥ केसाकुहासंसार ॥
 ॥ घालूकोणावरहभार ॥ तोडिकंठातिलमणिहरा ॥ दुःखभपार
 ॥ कीतीबर्षी ॥ लघ्णा०॥३॥ ॥४॥ ॥ यासमईत्वरितगतीधाव
 ॥ मुरारी ॥ धटा॒ सर्वमिवूनगानि तिमजलगी प्रीहरी ॥ तुजवाचु
 ॥ निसंकठकोणतोहरी ॥१॥ दुसरामजसाह्यनसेयामहीवरी ॥ ख्य
 ॥ जनाहीमोकलिलेत्वहपाकरी ॥ यास०॥३॥ माशेभपराधहृह
 ॥ इनकोआटऊ ॥ फसलीचिरवलतगायक ढिलबाहरी ॥ यास०३
 ॥ तारियेलेबहुत्तुजनासदुःखसागरी ॥ याचरितीहेसदयादिन
 उद्धरी ॥ यास०॥४॥ ॥५॥ ॥ राहिराहिवाधयाघरिराहिरो ॥६॥
 ॥ तुजआवेडेज्ञतेमीहेइन ॥ तुलपितनजकोणीहाहिरे ॥ राहिब०॥१॥
 ॥ अद्विष्टणजर्हीतुजनपाहले ॥ मगमनगोडनलगेकाहिरे ॥ राहीबारा०
 ॥ पोटीधसणीहुणेरडुनभाउतामा ॥ इस्पकरसिनजलागीपाहिरेब०३
 ॥ दासतुझेहेगोकुछहारी ॥ यासिलवदेइलवलाहिरे ॥ राहिब०॥४॥
 ॥ ॥६॥ ॥ जाईजाईमानसाहरिमाईरो ॥७॥ जासमईजेदेइठ
 ॥ इश्वर ॥ अमृतसुषुनिसुखेस्वादरेजाई०॥१॥ उंतकाकीकोणि
 ॥ नसोउदिति ॥ स्त्रियावंधूसुतजावाईरे ॥ जाई०॥२॥ जन्ममरण
 ॥ नोचकश्रीहरिचे ॥ रूपनिरंतरगाईरे ॥ जाई०॥३॥ हीनपणेपरी
 ॥ कीनहोउनी ॥ सुखफरणगणगाईरे ॥ जाई०॥४॥ ॥७॥
 ॥ रामकमाईधरिलकसाऊसिमान ॥ पाहतोकायनिहान ॥८॥
 ॥ जपतपसाधनकाहिनजाणे ॥ पातकीदुष्टमहान ॥ राम०॥१॥
 ॥ परघातकमीहिरुवंचकमी ॥ दोषहेकायलहान ॥ राम०॥२॥ कर
 ॥ णाधनहानिष्ठरजहला ॥ त्रिंबकप्राणनिधान ॥ राम०॥३॥
 ॥ उरेबाकातुजकोणमायव्यालीरे ॥ परिबाडेवर्थचीवास

॥ शात्वरे ॥ धृ ॥ सकुमारपरनोनिमगेजाईरे ॥ शोककरीतील
 वाप ॥ तुझेअईरे ॥ ॥ उज्जंबाहनान् याइयेतरे ॥ सुनियेतो
 ॥ उज्जंकाकुलतीरे ॥ २ ॥ गुनोनागकाचामहकाक ॥ नपाहसी
 ॥ कायहाविषयजाकरे ॥ ३ ॥ ॥ ॥ गउहोक्षणगडीआपुला
 ॥ यमुनाडोहीबुडला ॥ धृ ॥ काक्षयाउसेलक्षणला होइलविषवा
 ॥ धाहरिला ॥ हाक्षमारिलअपुत्पाला तुमीतरीस्वस्त्रपणेबसला
 ॥ उगलाकोणरेकादिलखाला यमुनाडोही ॥ १ ॥ गईसाविणे
 ॥ हंबरतीवासरेस्तनपाननकरीती ॥ यापरिगोपनवरिती ॥ मु
 ॥ खानेक्षणक्षणस्त्रणती ॥ अताकायभेडेलउपुत्पाला ॥ यमु
 ॥ नाडोहीबुडला ॥ २ ॥ यशोहापुस्त्रजरीहरिला ॥ संगोकायतरी
 ॥ तिजला ॥ नंदल्लणल्लनेलाहलरमारीलतोमजला ॥ अता
 ॥ कायजाबेगोकुकाला ॥ यमु ॥ शाहहुधल्लणम्याहरिलेहरी
 ॥ लाताकबल्लहुधले ॥ बेडनालगोनिकरीधरिले ॥ वद्धीबकक
 ॥ छबांधीले ॥ हागोनित्तामजबरिला ॥ यमुना ॥ ४ ॥ पेंधा
 ॥ धाउनियाआला ॥ बदल्लस्त्रालाउसला ॥ याचेपांडीव
 ॥ रीबसला ॥ बोइल्लस्त्राला ॥ हल्लणनीपकतपकतआ
 ॥ ला ॥ नेट्टप्रेमाबाईठा ॥ गउहोक्षण ॥ ५ ॥ ॥ ॥
 ॥ गउहोक्षणगडीआपुलाराजामश्वेचाजाला ॥ धृ ॥ शकुनिका
 ॥ काकांबका ॥ कासेपीतांबरकसिला ॥ दाकुनिमयोरपिणिला
 ॥ जउतमुयुरघातला ॥ अताकायबोक्खलउपुत्पाला ॥ रजा
 ॥ म ॥ १ ॥ काटिल्लियुंजाचीदारी ॥ घातलकोरक्षमश्रीकंटी ॥ धकु
 ॥ नमुरत्तिवेतारी ॥ हतीघेअसुधेगोमटी ॥ अताकायबायुठ ॥
 ॥ यसाला ॥ रजा ॥ २ ॥ गोधनेचाल्लविसरला ॥ अतालोन्पा
 ॥ मध्येशिरला ॥ नारिनेकरीधरि शनितुरिला ॥ अतातो

(७)

॥ कुञ्जोनेबरिला ॥ हे त सेनिजप्रमेमेळा ॥ राम ॥ ० ॥ ३ ॥ ॥ १ ॥
॥ रामनामाचीगतीकोणजाणेरे ॥ जाणतातीकेलासपतीराणे ॥
॥ ४८ ॥ क्रिटकपक्षादिकमोहपदाजाती ॥ तेथेइराचीकोणकथा
॥ गाती ॥ १ ॥ व्याधेवधितासुखासीत्पणेरामा ॥ तेनेमीशेतोचढे
॥ मोहक्षधामा ॥ २ ॥ द्येतारामाचेनामव्रामद्वारी ॥ धन्यइनालीतेसु
॥ हिमान्यनारी ॥ राम ॥ ३ ॥ उज्जामेळा हीपूर्णपापराशी ॥ नामसं
॥ केतेपुण्यलोकवासीरे ॥ राम ॥ ४ ॥ संत्रमाइयाहाशिकविलासा
॥ यवापे ॥ त्वंणेआनंहनयगेत्तीकरपे ॥ राम ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ मनेसामहाराजकोणउहेरे ॥ नाममात्रेजन्मजराजाय ॥ ६ ॥
॥ हीनवत्सलहाताकिञ्चिकायवाणूरामायसिद्धिपविलादिवसभा
॥ न्हरे ॥ मनेसुरे ॥ १ ॥ दशबाणेजाज्ञारम्यवेष्ट्वे ॥ तेणेनहेतुवध
॥ त्वागोपीघेन्हरे ॥ मनेसुरे ॥ २ ॥ धरभकाचेउडीशिरीपायरे ॥
॥ पुरीनेलीवेकुटपदाजाय ॥ मन ॥ ३ ॥ मिहिणीचिउचिष्टबोरे
॥ अरवाय ॥ रिसावान्नरामान्नकरीत्ताहे ॥ मन ॥ ४ ॥ उनंतको
॥ अठिक्रिंहंडेज्यान्यापोटी ॥ तीमाधवतोगोऽन्यागारपाडी ॥
॥ अम्भ ॥ ५ ॥ रवांहिकोबकीहतिघेउनियाकाडी ॥ निजानंहेरं
॥ गल्डापाटीपोटी ॥ मन ॥ ६ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ शंकरजीमे
॥ बाल्लुमारोहयाकरोमहाराजरे ॥ पतितकेतुमकरणसा
॥ गर ॥ अभररवोप्रभुलाजरे ॥ ६ ॥ खानापीनासुखसेसोना
॥ धामधूमकराजरे ॥ इसदुनयामेपेहोकरयेहिकियासव
॥ काजरे ॥ शंक ॥ ७ ॥ उपनाअपनाकरकरउगरवरजननमन
॥ मायासारारे ॥ भजनपुजनकीबातनहीकछुगयानमनका
॥ केररे ॥ शंक ॥ ८ ॥ चरणकमलपरसरनउयाजोहगानहेते
॥ केररे ॥ अवनसुनीयहबातबडीघेरलियोप्रभुद्वारे ॥ शंक ॥

॥ व्याघ्रचम परजटा बठाला नं ही परस्वारे ॥ अनंदात्म कधूनल
 ॥ गीहै शिवशिव मृत्ता धारे ॥ शंक ॥ ४ ॥ ॥ माझिला
 ॥ जनुखाय दूरायारे ॥ येइधि वत साहूकरायारे ॥ ध ॥ पउतो मीपा
 ॥ याचुक बी अपाया ॥ येऊहेया हीनाची मायारे ॥ माझिं ॥ ५ ॥ प्रि
 ॥ यस्तज्याया भिकती गिभाया ॥ योजिती उरिता सिक्करायारे ॥
 ॥ मा ॥ ३ ॥ जन्मुनिवाया सिनवीली काया ॥ मांडिलात बुणगण
 ॥ गायारे ॥ मा ॥ ३ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ हेवयना सुनीजाइल मनुजाकाहि
 ॥ तरीबासो यधरीरे ॥ हेव ॥ ७ ॥ मीमाले हेमण सीजनाते तेहुज
 ॥ गंजिति परो परीरे ॥ हेव ॥ ८ ॥ यमसहना जाती यापहासी ॥ त
 ॥ थामी बेससी निसुरधरीरे ॥ हेव ॥ ९ ॥ करणाघन हाईन जना
 ॥ सवनांहत सेबा चरो चरीर ॥ हेव ॥ १० ॥ ४ ॥ ॥ १० ॥ कोणसु
 ॥ सीला प्रसवूलीहुज ला ॥ साकार मध्यगङ्गारे ॥ ध ॥ शाम
 ॥ मनोहर कोमठत्त प्रियुपा हुनिति ननिवालेरे ॥ उंतकाकस
 ॥ अगहेहानिई यजागताची मरण आलेरे ॥ कोण ॥ ११ ॥ डोहभय
 ॥ करय मभगी निचास लिलह लाहल ज्याचेरे ॥ उंतरिसगति प
 ॥ स्थितिवास तीनाहि कृत्तमय याचेरे ॥ कोण ॥ धाटे माय उसा
 ॥ गुणसंदर तनय कधीन विसंचहो ॥ अनश्चर्य हेतवस दृश बहुत
 ॥ ततेण अनादर उंचहो ॥ कोण ॥ १३ ॥ देतिल प्राण पिताजन
 ॥ नीतवजाय सुल्लाबोहरी ॥ एकजनार्दन रसितया प्रतीत्रिं
 ॥ कमिती निवारीरे ॥ कोण ॥ ४ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ नाहि नाहि
 ॥ मीपा हिती माती ॥ उर्द्दी मिज मालन को ॥ ध ॥ दहिदुधे चो
 भज ॥ ॥ तनिहेसवंसि ॥ हउनसे हौसंग जाती ॥ उर्द्दी ॥ ११ ॥ तेनाये किले
 ॥ लुणन मजवरी ॥ रुलले हेसंग जाती ॥ आई ॥ २ ॥ बकराम हीया
 ॥ लामि काला सो ॥ तोसा पूषपाती ॥ आई ॥ ३ ॥ हीनपणे मृ

॥ दुबोलुनि हस्ते ॥ लावियलीने त्रपाती ॥ आट० ॥ ४ ॥ ॥ ७ ॥
 ॥ धाउनिया मजता रिअता कृष्णा धाउनिया मजता रिकी उट
 ॥ कुजलगीमी ॥ अता कृष्णा ॥ धा ॥ दुष्टनष्टरवक कुबचनाची
 ॥ करिती मजमउमारी ॥ अता ० ॥ १ ॥ सबकहि पती है बगतीने ॥ ज
 ॥ हडेरंगभिकारी ॥ अता ० ॥ २ ॥ हेमनमोहन हेमनरंजन ॥ येबो
 ॥ धवमुरारी ॥ अता ० ॥ ३ ॥ मजदीनाचे अनिसंकटहे ॥ कुजविणे
 ॥ कोणनिवारी ॥ अता ० ॥ ४ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ धाउनिया मजमारी ॥
 ॥ अताकृष्णा ॥ धा ॥ कुमला हुनीतव मुदुलपाउडे ॥ द्यासिमि
 ॥ श्रमविलेभारी ॥ अता ० ॥ १ ॥ रवकसंगती बहुमक्तोमी ॥
 ॥ याउरितासीनीवारी ॥ अता ० ॥ २ ॥ जन्मसङ्कुकमासेअजी
 ॥ करी ॥ चिजारीकीति उभारी ॥ अता ० ॥ ३ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ विंश्चा
 ॥ निवसेउच्छवा ॥ मायतोमाइया रमाला ॥ धा ॥ विनवात्या
 ॥ कुषिरायाल्डा ॥ नकोनेऊमाइया बाकाल्डा ॥ जरिहामागल्डु
 ॥ गधाल्डा ॥ तरिमगकालुदृष्टलार्डा ॥ लौवि पुत्रहानमजल्डा ॥
 ॥ माग० ॥ १ ॥ द्याविण असानाही काणी ॥ जैसेमत्पाल्डा
 ॥ पाणी ॥ विनवाजोडुनियापाणी ॥ भेटवारधुक्कराजमणी ॥
 ॥ अमयदेवसिष्टतिल्डा ॥ माग० ॥ २ ॥ कैकर्दफोडिहंवरडे ॥ को
 ॥ सत्पाहीफाररडे ॥ इसलेनेवहीकोरडे ॥ बोलतीवेडेवाकूडे
 ॥ दुष्टहाकानाहीरवपल्डा ॥ माग० ॥ ३ ॥ कास्तसलासीजगहीशा
 ॥ मांडखीआमचीडुर्शा ॥ मजल्डाहोतिफारअशा ॥ बाटती
 ॥ उद्दसहाहीदिशा ॥ अताकधीभेटद्डअपुत्पाला ॥ माग०
 ॥ ४ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ जानकिसंगेसहचरित्वा ॥ ककविजन
 ॥ कासी ॥ धा ॥ हेधनुटेववेसहनांत ॥ विश्वासवेसहचनात् ॥
 ॥ नाहीतरिमीजाइनविपिनाता ॥ रेहदहनातअपिनिहा ॥ जान० ॥ १ ॥

॥ कायकल्मजनाहीधीर ॥ सत्वरदाखवीतोरघुविर ॥ पाहिनकधी
 ॥ शरयूतीर ॥ नयनीनीरबाहतसे ॥ जान० ॥ २ ॥ हेइनकंगति ल
 ॥ मणिहर ॥ प्राथीजिओडुनिकर बहुवारा ॥ सरवयाकरितकाबपकार
 ॥ हेयउदारमजवरिते ॥ जान० ॥ ३ ॥ मीवरिल्गतोरघुराम ॥ जोका
 का० ॥ उरिविल्सुरवचेधाम ॥ जोसुरवरातउनिन्कमराम ॥ पूर्णका
 मजोदासी ॥ जान० ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ नेऊनकोयदुबीरअकुरा
 ॥ नेऊनकोयदुबीर ॥ ध० ॥ नंदयशोमनीभाकितिकरण ॥ बा
 ॥ त्यदशानाहीथोरा ॥ अक० ॥ ६ ॥ कसेदुरत्ययनिशिदिनीज
 ॥ पतो ॥ घातकीतोनिष्टरा ॥ अक० ॥ ७ ॥ उकुरनामजगीजुसे
 ॥ बोलती ॥ परीकरणीदिल्लोकरगउक० ॥ ८ ॥ उमृतमतिनेपाहु
 ॥ नियांक० ॥ ग्रेमेषसलान्धीरा ॥ अक० ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥
 ॥ ऐसामेषबुनायोरे कुकरजनभगमायोरोरा० ॥ बेरगकोमेष
 ॥ बनायाउत्तरनाहीबरगगी ॥ आओबरधरछोकमुलावेधी
 ॥ रोटीसोबांधी ॥ १ ॥ बनधरेतुरनिकेमुझाप्ताललगवेदीका
 ॥ दर्पनिकेकरहेत्तेचेहरजागणमायोफीका ॥ २ ॥ येहमेषसो
 ॥ कुखुनहिहोत्तिसंपथनन्यामरा ॥ कहेउरवंउनंहसुगीरोमि
 ॥ छगयेसज्जुपूरा ॥ ऐसामेषबनायोरा० ॥ ३ ॥ ॥ ११ ॥ ॥
 ॥ बाईपरिसावेतन्यासिपुसावे ॥ हृषणभद्रिस्वस्त्वलावेहो ॥
 ॥ ध० ॥ ऐकल्पणेपतिरुपेयेडनिनिजलाहासेजारीगे ॥ नबोलावे
 ॥ तेगोकुकिकेलेउसीकरितसेजारीरो ॥ बाई० ॥ १ ॥ निबिउजं
 ॥ धारीकीउत्तरसत्ताममकंन्याजावर्दरो ॥ सर्वजनासीदारव
 ॥ विलेतेलाउनियाहावाई० ॥ बाई० ॥ २ ॥ उल्लिउभगतानिद्रि
 ॥ स्त्रुंउसत्ताअलुतविनोदकेलागो ॥ सेंडीवेणीसिद्धबांधोनी
 ॥ आपणमारितसेहोकेलागो ॥ बाई० ॥ ३ ॥ ऐकल्पणेमाझेदेवाजवकी
 ॥ करितोल्दुश्चाकेलागो ॥ एकल्पणेमाझेदेवचिनेलेधरीतनाही

॥१॥ शकेल्लागे ॥ बाईंगे ॥ ४॥ बाईयशोहेकोणमृतीप्रिसबलीस
 ॥ तनयातेगे ॥ सांगावेकितिविलावेकितीमारावेकितीयालगे
 ॥ बाईंगे ॥ ५॥ भलतेचवेकीवलेसोउतोलघुसुल्लासरउवितोगे ॥
 ॥ हहिदुधघेझनीमथुरेसिजातालघुमुत्तीसअउवीतोगे ॥ बाईं
 ॥ ६॥ नानापरीचेबासहेनीजन्मीरडतोहाहसतोगे ॥ जसेयात्ता
 ॥ काहीटुकनाहीजातादिनहाहिसतोगे ॥ बाईंगे ॥ ७॥ ॥ ८॥
 ॥ ऐसाशंभोसाजणीहहिध्यावा ॥ प्रेमानंहेकरुणिसखरगावा ॥ ९॥
 ॥ उजाहीपाहतासाजणीदीगांबक्षभपरीप्रेमेष्ठाघुरलाव्यांबक्षा ॥
 ॥ गजचर्मतेइसरेउनतिसंस्कृतकोजेजाकिलातेणेरतिबक्षमेते ॥
 ॥ सा० ॥ १॥ गंगावाहेशकझकाजगजठीउगंगीशोभेविक्षति ची
 ॥ ज्यालाझंगे ॥ वन्नगहरकूतोनीकंगे ॥ ज्याचेध्यातीनिर्जर
 ॥ तेहेतिसकोदी ॥ ऐसा० ॥ २॥ ज्याचेअंकीचित्ताल्कीशेत्यबाका
 ॥ चिश्वर्णहातीप्रभासरसज्ञागज्ञवेनेत्रीधर्मधगतिआज्ञि
 ॥ ज्याका ॥ नंहीहुनकूद्धगारगोल ॥ ऐसा० ॥ ३॥ ज्याचेभाकीशो
 ॥ जेहोनिशिरमणैव्यसित्तकावहितज्याचेवरण ॥ ज्यातेध्याता
 ॥ दुकलेजन्ममरण ॥ स्मोजागलाश्रोभसासीशरण ॥ ऐसा० ॥ ४॥
 ॥ ॥ ८॥ ॥ ज्यानकीजीवनमनीउजाणागे ॥ अहोबाईज्ञान० ॥ ६॥
 ॥ रामकृष्णहोनिशोभतीनामे ॥ आवधाचिपोहुरेगजालगे ॥ उगहो०
 ॥ १॥ ५॥ दुःखभवाव्यवेसर्वहीहरले ॥ निररविताकेसाजिवजालगे
 ॥ उगहो० ॥ २॥ स्कंदरनागरमोहनीमूत्ति ॥ शिरिशोभेतुकसिचापा
 ॥ लागे ॥ उगहो० ॥ ३॥ ॥ १॥ ॥ साधुसंतामागणेहेविउगतोर
 ॥ प्रीतिलागोगोविद्युगुणगता ॥ यतिश्वर्णजाहलीयासंसारा ॥ सं
 ॥ तचरणीघेतला आहीथारा ॥ साधु० ॥ १॥ उगाशात्कृष्णाउरत्या
 ॥ नाहीकाहीरो ॥ हेहप्रारब्धभोगिताभयनाहीरो ॥ साधु० ॥ २॥ जोउ
 ॥ ध्याक्तआटकृष्णहरीरो ॥ दासह्यणेसप्रेमनिरंतरी ॥ साधु० ॥ ३॥
 ॥ ॥ ७॥ ॥ हेवात्माउपक्षारानाहीपारायरा ॥ ध्यामाद्दे

॥ अपराध अगणित ॥ परमावधी अपरमीता ॥ गणिता अथ कठाचि
 मन्त्रयुक्त ॥ ऐसा सारि सीमज पामरा ॥ देवानु ॥ ४ ॥ एथ वीते जवात ॥
 ॥ उनकाश हेमन अद्भुत ॥ माझे स्पर्श कला कंटाक त ॥ उनैशा तारि
 ॥ सीमज इधरी ॥ देवाण ॥ ३ ॥ उधरि परीत्वा इन्हण बीत ॥ चरणी
 ॥ अपुनि सक कही हेता ॥ पतीत करावा पुनीत ॥ दीनो द्वारा मुरे
 ॥ घरा ॥ देवाण ॥ ५ ॥ ॥ सावकानं हात्रा मूळखो गो
 ॥ अहो बाई ॥ धृमि को नियागे वनि मधुरे सिजाता ॥ उन्नाड
 ॥ उनिधरि तो वाटागे ॥ आहो ॥ ६ ॥ सहितु धलोणी चोतु णिखा
 ॥ तो ॥ काय याच्यान गराऊ लग्नो दागे ॥ आहो ॥ ७ ॥ दीनर
 ॥ जनीयात्रा हाचि हो येता ॥ आहु लग्नीयाच्या जाच मो गो ॥
 ॥ आहो ॥ ८ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ कसाकरिल अब पार ॥ हरी मज कसा
 ॥ करिल अब पार ॥ ९ ॥ तन मन धन विषयां त धुत ले ॥ १० ॥ जनी अ
 ॥ कस कार ॥ लगी ॥ ११ ॥ सीमज नाम नीयेक चैकि ॥ हाचि उटे
 ॥ अहंकार ॥ लगी ॥ १२ ॥ अनन्द जी ताचासामले ॥ नाही केला
 ॥ उपकार ॥ हरि ॥ १३ ॥ आसी नारायण जोडु लिपाणी ॥ पतीत करी
 ॥ उधार ॥ हरी ॥ १४ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ ता रताली रामराया ॥ गेल गेटा
 ॥ जन्म वाया ॥ ध्या राकुनीया संकुल जधरी ॥ केले सवही विपरीत
 ॥ कर्म ॥ यजकामारिल तो यमधर्म ॥ काढिल चमना स्तिल भाया
 ॥ तारितारी ॥ १५ ॥ जन्मापासुनि केले पाप ॥ नोगीन त्याचे कर्म पाप
 ॥ याचावाटत संताप ॥ त्रुआई बाप येऊ देसाया ॥ तारी ॥ १६ ॥
 ॥ केले नाही गंगा स्नान ॥ केले नाही जपत पहान ॥ केला साधु
 ॥ चाउप मान ॥ धरिला नान न कर कीजाया ॥ तारी ॥ १७ ॥
 ॥ निशि दिनी सुजन पथा सीधरीन ॥ उताते नीक धीन करीन
 ॥ इपाको सर्व गुण नेहीन ॥ पउतो हीन तु सया पाया ॥ तारी ॥ १८ ॥

॥ नामनोकासुख साररे ॥ केचीभवसागरतारकं ॥ ध्या होहे
 ॥ प्रागी अगली व्यास वाल्मीकि मुनी ॥ सित इक के उन्ने निराका
 ॥ ररे ॥ किंचीभ० ॥ १ ॥ बिवे कहाना गर स्थीरता पवे ॥ याच्यायो
 ॥ गेजालो भवपाररे ॥ के लिभ० ॥ २ ॥ कणधिरीते ये शिवदिन
 ॥ स्वामी ॥ याच्यायो गेजालो भवपाररे ॥ के लिभ० ॥ ३ ॥ ॥

ता वनी चोवी सना व संध्यावै

॥ के शबक रणी आमृत की लू ॥ नारा
 यण तो क साज्जपा चोस क क्षजना व
 र छ सा ॥ माधव मही मा आग धगोड़ि ॥
 गोवी द्वाच्यार तापी जावे हहे इल
 थंड सा ॥ बीमु सम रता वी कत्यज ॥
 तीम थुरु धनाने क सा का छिल मं
 धन सम इजि सा ॥ वेदधरु नी कप
 घमोड़ी नी भाग करी नी मनी मगा
 ल्याकु थरती अथम ॥ १ ॥ वीवी
 क माने त्रीता पहारी लेभना वै सव
 ही वामने इनघेत ली मही ॥

(14)

श्रीथरसतामासोच्युहरिताद्वय
नेगवहीवदतीरसीकेशच्चार
हैपल्लनभधीयदेते थुनदेव
जात्वंजङ्गिकीदमोहरेयोर्त्वे
हशीगातीउणीजनारुद्धुवर
वसीषादीगवत्तुमगाइत्युह
थरतीजायम् शकरणन्म
रताषउरीप् नम् ग्राफावरीम
राहोवासुह त्राप्तीप्रद्युन
चाकेरीतीधावाग्नेहुमोल्लग
तीआमरुधानवनवेल्लतीक्षी
रसागरीनेतीधानपुरुषोत्तम
हुल्लसुमीपलीमराहोडाधेष्ट
जात्वकीपंकवाचेसाठीनरहा

श्रीस्तंभीजोपगठतुमाचुतैक
 कनाथपद्धिला "जनाहनाची
 आधगीतत्त्विकाकी तसेअयेक
 चलुतुपेहशरनाजोडतोभला.
 इशिहरहनतात्रीवारवाचे
 सावद्दोपहुरयेलागोकुणीकु
 म्मनाथकवकला ॥३॥ रामकल्याणमपा॥
 ॥रातसेप्रापोरी॥ बुद्धनीद्भुतनि॥
 ॥हारनीरातसेप्रापोरी दुलनीहारडनीरा॥
 ॥५०॥१॥ जरिजंजरावकीविंदीप्राहासाडा॥
 ॥रित्ताखफैप्राकीनथनिहारनीनथ॥
 ॥नीहाराडरिरातसेप्रापोरी ॥२॥ द्विघोषण
 ॥काजतजीरेप्रजीरासात्काजत्यजीरे॥
 ॥भक्तारासा॥ रासाशासातोरेकारणला॥
 ॥ज्ञतजिरे ॥७॥४॥ सोहनिस्त्रितमोठा॥
 ॥नीमुरतमनीरावासगईरेरासाशासा

॥ सौरेकार्णला जतजिरे ॥ २ ॥ धा ॥ राग कापी
 ॥ सोईसोईदिवा इमुरारि आदेघन ॥ ३ ॥
 ॥ नीका सोईसोईदिवा इमुरारि आदेघा ॥
 ॥ ननीका ॥ ४ ॥ आह्याप्रनारी तुपता ॥
 ॥ नारी आडविसी नानापरि आदेघा ॥
 ॥ ननीका सोई ॥ ५ ॥ धा ॥ जंपरामज्ञा ॥
 ॥ प्रस्ततं अंकीतं प्रभुतु जातु देह ॥ ६ ॥
 ॥ निजघरी आदेघन रीसोईसोई ॥
 ॥ वाद्यमुरारि ॥ ७ ॥ वट रामाचे ॥ जंन ॥
 ॥ कीजीवनमुरि आकागे आहोबाई ॥ ८ ॥
 ॥ जानकीजीवन ॥ ९ ॥ मनि आलोगे ॥
 ॥ १० ॥ सुंदरनाई रमोहनि ॥ मुरती ॥ तुकसि ॥
 ॥ चारो भेशीपालगे ॥ ११ ॥ आहोबाई ॥

श्रीगणपतीकल

परिवार तंत्रज्ञाने विद्या व ज्ञाने गुणोः

विद्यायक्षत्वम् परमामृतं धूर्तं

साध्यः मात्रां त्रिवृत्तां विद्याम्

देवानां विद्याः साध्याम्

साध्याम्

साध्याम्

साध्याम्

साध्याम्

साध्याम्

साध्याम्

साध्याम्



The Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratisthan, Mumbai
Joint Project by "The Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratisthan, Mumbai"

(19)





मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com